सं0-257/XXVIII-4-2005-27/2005

प्रेषक,

डा0भूपिन्दर कौर,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

महानिदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
उत्तरांचल देहरादून ।

चिकित्सा अनुभाग 4 देहरादून: दिनांक : 15 फरवरी, 2006

विषय: जिला महिला चिकित्सालय देहरादून में ओ0पी0डी0 के विस्तारीकरण तथा सामु0स्वा0केन्द्र जसपुर ऊधमसिंह नगर के नवीनीकरण एवं विस्तारीकरण हेतु धनराशि की स्वीकृति ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं0-7प/11/6286 दिनांक 29.07.2005 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2005-06 मे जिला चिकित्सालय देहरादून मे ओ0पी0डी0 के विस्तारीकरण तथा सामु0स्वा0केन्द्र जसपुर (ऊधमसिंह नगर)के नवीनीकरण एवं विस्तारीकरण हेतु क्रमशः रू0 23,25,000.00(रू0 तेईस लाख पच्चीस हजार मात्र)तथा रू0 98,95,000.00(रू0 अठानवे लाख पिचानवे हजार मात्र) की लागत पर प्रशासनिक / वित्तीय अनुमोदन प्रदान करते हुए चालू वित्तीय वर्ष मे उक्त चिकित्सालयों में निर्माण कार्य हेतु संलग्नानुसार कुल रू0 30,00,000.00 (रू0 तीस लाख मात्र) की धनराशि के व्यय की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते है ।

1- एकमुश्त प्राविधानो को कार्य से पूर्व विस्तृत प्रस्ताव बनाकर सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त की जायेगी ।

2- कार्य कराते समय लोक निर्माण विभाग के स्वीकृत विशिष्टियो के अनुरूप कार्य कराये तथा कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जाये । कार्य की गुणवत्ता का पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण एजेन्सी का होगा ।

3- धनराशि तत्काल आहरित की जायेगी तथा तत्पश्चात निर्माण इकाई परियोजना प्रबन्धक, उत्तरांचल पेयजल संसाधन विकास एंव निर्माण निगम को उपलब्ध करायी जायेगी । स्वीकृत धनराशि का उपयोग प्रत्येक दशा मे इसी वित्तीय वर्ष के भीतर सुनिश्चित किया जायेगा ।

4- स्वीकृत धनराशि के आहरण से संबंधित वाऊचर संख्या एंव दिनांक की सूचना तत्काल उपलब्ध कराई जायेगी तथा धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित प्रावधानो मे बजट मैनुअल तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार किया जाना सुनिश्चत किया जायेगा ।

5- आगणन मे उल्लेखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत / अनुमोदित दरों मे जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नही है अथवा बाजार भाव से भी ली गयी हो, को स्वीकृत नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता को अनुमोदन आवश्यक होगा ।

6- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन / मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय ।

7- कार्य पर उतना ही व्यय किया जायेगा जितना कि स्वीकृत मानक है । स्वीकृत मानक से अधिक व्यय कदापि न किया जाय ।

8- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा ।

9 कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एंव लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों / विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करे ।

10- कार्य करने से पूर्व स्थल का भली-भांति निरीक्षण उच्चधिकारियों एवं भूगर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा ले । निरीक्षण के पश्चात आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाये ।

11- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय । निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से परीक्षण करा ली जाय, उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाए ।

12- स्वीकृत धनराशि की वित्तीय एंव भौतिक प्रगति आख्या प्रत्येक दशा में माह की 07 तारीख तक निर्धारित प्रारूप पर प्रशासन को उपलब्ध करायी जायेगी । यह भी स्पष्ट किया जावेगा कि इस धनराशि से निर्माण का कौन सा अंश पूर्णतया निर्मित किया गयाहै

13- निर्माण के समय यदि किसी कारण वश यदि परिकल्पनाओं / विशिष्टियों में बदलाव आता है तो इस दशा में शासन की पूर्व स्वीकृति आवश्यक होगी ।

14- निर्माण कार्य से पूर्व नींव के भू-भाग की गणना आवश्यक है, नींव के भू-भाग की गणना के आधार पर ही भवन निर्माण किया जाय ।

15- उक्त भवनों के कार्यों को शीघ्र प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए ताकि लागत पुनरीक्षित करने की आवश्यकता न पड़े ।

16- उक्त व्यय वर्ष 2005-06 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या -12 के लेखाशीर्षक 4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय-आयोजनागत, 01-शहरी स्वास्थ्य सेवायें, 110-अस्पताल तथा औषधालय, -00-17-अनावासीय भवनों में वृहत स्तरीय अनुरक्षण विस्तारीकरण तथा निर्माण, 24-वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा ।

17- यह आदेश वित्त विभाग के अशा0 सं0-260 /वित्त(व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/2005 दिनांक 02.02.2006 में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

संलग्नक: यथोक्त ।

भवदीय,

(डा0भूपिन्दर कौर)
अपर सचिव

सं0 257/XXVIII-4-2005-27/2005 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1- महालेखाकार, उत्तरांचल, माजरा देहरादून ।
2- निदेशक, कोषागार, उत्तरांचल ,देहरादून।
3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
4- आयुक्त, गढ़वाल/कुमाऊं मण्डल,उत्तरांचल ।
5- जिलाधिकारी, देहरादून/ऊधमसिंहनगर ।
6- मुख्य चिकित्साधिकारी, देहरादून/ ऊधमसिंहनगर ।
7- परियोजना प्रबन्धक, उत्तरांचल पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम ,देहरादून ।
8- बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय सचिवालय, देहरादून ।
9- निजी सचिव मा0 मुख्यमंत्री ।
10- वित्त(व्यय नियंत्रण)अनुभाग-3/ नियोजन विभाग / एन0आई0सी ।
11- गार्ड फाईल ।

आज्ञा से,

(अतर सिंह)
उप सचिव

शासनादेश सं0-257/XXVIII-4-2005-27/2005 दिनांक 15 फरवरी, 2006 का संलग्नक

(धनराशि लाख रू0 में)

क्र0सं0	कार्य का नाम	निर्माण इकाई	लागत	वर्ष 2005-06 में स्वीकृत धनराशि
1	जिला महिला चिकित्सालय देहरादून में ओ0पी0डी0 के विस्तारीकरण का कार्य ।	उत्तरांचल पेयजल निगम	23.25	10.00
2	सामु0स्वा0के0 जसपुर के नवीनीकरण एवं विस्तारीकरण का कार्य ।	उत्तरांचल पेयजल निगम	98.95	20.00
	योग		122.20	30.00

(रू0 तीस लाख मात्र)

(अतर सिंह)
उप सचिव